(JRY), etc., and (ii) Development of Small and Medium Towns for creating more employment opportunities there in order to arrest migration from rural areas through the scheme of integrated Development of Small and Medium Towns (IDSMT) and creation of employment opportunities for the urban poor through the scheme of Nehru Rozgar Yojana (NRY).

Development of satellite towns

1859. SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) what is the status of the plan to encourage development of satellite towns to reduce crowding in some cities;

(b) what are the funds available in -1995-96 for the scheme of development of satellite towns; and

(c) what is the amount earmarked for Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) to (c) The subjects of town planning and regional planning are State subjects and programmes for development of satellite towns, counter magnet towns etc. are prepared by the State Governments concerned. There is no such Centrally Sponsored Scheme called "Scheme of Development of Satellite Towns". However, since 1979-80, a Centrally Sponsored Scheme of Integrated Development of Small and Medium Towns (IDSMT) is in operation in the States and UTs. The Scheme of IDSMT aims at improvement of the physical and economic infrastructure and other • essential facilities and services in towns having population upto 3 lakhs.. One of the important objectives of the IDSMT Scheme is to arrest the migration, of population from rural areas and small towns to the large and metropolitan cities. Since 1979-80 till date 714 towns have been covered under IDSMT and Contral Assistance amounting to Rs. 229.03 crores released to the concerned States and UTs.

The Central Plan allocation for IDSMT Scheme during the year 1995-96 is Rs. 35 crores. The amount of Central Assistance that will be released to the Government of Andhra Pradesh during 1995-96 will depend upon the following factors:—

(i) The number of news project proposals conforming to the IDSMT guidelines which are/would be submitted by the State Government; and

(ii) The number of ongoing schemes under IDSMT which become eligible for further Central Assistance.

मध्य प्रदेश में रैन बसेरों का निर्माण

1860. श्री राघव जी : क्या शहरी विकास मंत्री : यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) "रैन बसेरा योजना" के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के किन-किन शहरों में रैन बसेरों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है और ये स्वीकृतियां किन-किन वर्षों में दी गई थीं;

(ख) किन-किन शहरों में रैन बसेरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, किन-किन शहरों में निर्माणाधीन है और किन-किन शहरों में अभी निर्माण कार्य आरम्भ होना है; और

(ग) जिन शहरों में निर्माण कार्य अभी आरम्भ होना है, वहां कार्यारम्भ न होने के क्या कारण हैं और इसके कब तक आरम्भ होने की संभावना है?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थुंगन) :

(क) मध्य प्रदेश के 33 कस्बों में सभी 34 रैन बसेरों का निर्माण 1992-93 में अनुमोदित किया गया है।

उनकी सूची विवरण-I में दी गई है।" (नीचे देखिए)।

(ख) तथा (ग) 6-3-95 की स्थिति के अनुसार विवरण-II में सूचीबद्ध 16 कस्बों में रैन बसरों का कार्य पूरा हो गया है तथा शेष 17 कस्बों में विवरण III में कार्य चल रहा है।

विवरण – I

मध्य प्रदेश राज्य में रैन बसेरा के लिए स्कीमों की सूची

वर्ष	33 कस्बों में 34 रैन बसेरे				
1992-93	देवास,	सोहागपुर,	गाडरवारा,	चिन्दवाड़ा,	मन्दसौर,
	उज्जैन,	जगदलपुर,	मांडव,	ग्वालियर,	बिना,
	बमनपुर,	खण्डवा,	कटनी,	सतना,	भिलाई,
	इन्दौर,	सागर,	रीवा,	राजनंदगांव	सहडोल,
	दमोह,	भोपाल,	एटारसी,	होशंगाबाद,	रतलाम,
	विदिशा,	दुर्ग,	नेपानगर,	सेहोर,	महेश्वर,
	बिलासपुर,	बिरास्ता,	जबलपुर ।		

विवरण - II

मध्य प्रदेश राज्य में इन कस्बों के नाम जहां 06-03-95 की स्थिति के अनुसार रैन बसेरा स्कीम पूरी हो गई है:

1. चिन्दवाड़ा	2. उज्जैन	3. जगदलपुर	4. ग्वालियर
5. कटनी	6. भिलाई	7. इन्दौर	8. सागर
9. राजानंदगांव	10. दमोह	11. भोपाल	12. एटारसी
13. होशंगाबाद	14. दुर्ग	15. बेरासिया	16. जबलपुर

विवरण – III

मध्य प्रदेश राज्य में उन कस्बों के नाम जहां 06-03-1995 की स्थिति के अनुसार रैन बसेरा स्कीम के तहत कार्य चल रहा है:

1. देवास	2. सोहागपुर	3. मन्दसौर	4. माण्डव
5. बिना	6. बुरहांपुर	7. खण्डवा	8. सतना
9. रीवा	10. सहडोल	11. रतलाम	12. विदिशा
13. गाडरवाड़ा	14. नेपानगर	15. सेहोर	16. महेश्वर
17. बिलासपुर			